Regarding problems faced by Mamata workers in Bihar

श्री मनोज कुमार (सासाराम) : मैडम, मैं अति महत्वपूर्ण विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ । बिहार में ममताकर्मी स्वास्थ्य विभाग में हैं । उनके लिए मैं कुछ बातों को रखना चाता हूँ । वर्ष 2008 से इनकी बहाली बिहार सरकार में हुई । तब से अभी तक ममताकर्मियों को प्रति प्रसूति एक सौ रुपया दिया जाता था अब तीन सौ रुपया दिया जाता है । लेकिन इनका जो काम है, जैसे डॉक्टर करते हैं, वैसे ही नर्स करती हैं ।

आज तक वे अस्पताल में आठ-दस घंटे तक मजदूरी करती हैं, लेकिन उनको एक रुपया भी नहीं मिलता है ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि ममताकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा मिले । अस्पतालों में जो सुविधाएं डॉक्टर्स एवं नर्सों को मिलती हैं, वही सुविधाएं हमारे ममताकर्मियों को भी मिलनी चाहिए । धन्यवाद ।